For more sample papers visit : www.4ono.com

आदर्श प्रश्नपत्र

संकलित परीक्षा – द्वितीय

कक्षा – दसवीं

समय -3:00 घंटे **विषय – हिंदी** **पूर्णांक – 90**

निर्देश – 1. इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं – क,ख,ग और घ

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

4. वर्तनी की शुद्धता और लिखावट पर विशेष ध्यान दीजिए।

खंड – क

प्रश्न 1 – निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए–

यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोस के साथ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे–कटे रहने में अपनी ही हानि है,क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों अथवा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो,उससे अच्छे संबंध रखने ही चाहिए।जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख–दुख का आदान–प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ क्या खाक भावनात्मक रूप से जुड़ेगा? विश्व बंधुत्व की भावना तभी मायने रखती है,जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें। प्राय: तभी पड़ोसी से खटपट होती है, जब हम आवश्यकता से अधिक पड़ोसी के व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक जीवन में हस्तक्षेप करने लगते हैं।हम भूल जाते हैं कि किसी को भी अपने व्यक्तिगत जीवन में किसी की भी रोक–टोक और हस्तक्षेप अच्छा नहीं लगता। पड़ोसी के साथ कभी–कभी तब भी अवरोध पैदा हो जाते हैं जब हम आवश्यकता से अधिक अपेक्षा करने लगते हैं। ध्यान रखना चाहिए कि जब तक जरूरी न हो पड़ोसी से कोई चीज़ माँगने की नौबत नहीं आए। आपको परेशानी में पड़ा देख पड़ोसी खुद ही आगे आ जाएगा। पड़ोसियों से निबाह करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि बच्चों को नियंत्रण में रखें। आमतौर पर बच्चों में जाने–अनजाने छोटी–छोटी बातों पर झगड़े होते हैं और बड़ों के बीच सिर फुटव्वल की नौवत आ आती है।

1 पड़ोसी से परहेज करने से क्या हानि हो सकती है ? [1]

4ono.com

क आकस्मिक मुसीबत के समय पड़ोसी काम आता है। ख पड़ोसी से आलू , प्याज़ माँगे जा सकते है ।

ग पड़ोसी हमारी जरूरतों की पूर्ति करता है। घ पड़ोसी से अच्छे संबंध शांति प्रदान कर सकते हैं।

2 विश्व बंधुत्व की भावना की बातें करना कब शोभा देता है ? [1]

क जब हम स्वयं से प्रेम करे। ख जब हम पड़ोसी से निभाना सीखें।

ग जब हम देश से प्रेम करें। घ जब हम प्रत्येक धर्म का आदर करें।

3 पड़ोसी से निबाहने में सबसे महत्वपूर्ण क्या है ? [1]

क रोज़ उसके घर जाएँ। ख कुछ-कुछ माँगते रहें।

ग बच्चों को नियंत्रण में रखें। घ उससे अधिक बातें न करें।

4 पड़ोसी से खटपट कब शुरू हो जाती है ? [1]

क जब हम उनके बच्चों को डाँटते हैं। ख जब हम कोई वस्तु माँगते हैं।

ग जब वे बहुत मँहगी वस्तु खरीद कर लाते हैं।घ ः जब हम उनके व्यक्तिगत जीवन में हस्तक्षेप करते हैं।

5 भावनात्मक में मूल शब्द क्या है ? [1]

क भावना ख आत्मक ग भाव घ आत्मा

प्रश्न 2 – गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्पों के साथ लिखिए–

कार्य कुशलता का पहला अंग तो यह है कि हम अपने कार्य को समय से निर्धारित कर उसेअच्छी तरह से जानें। हम लोगों मे अधिकतर लोग कार्य उठा तो लेते हैं, पर उसे अच्छी तरह जानतेनहीं और न जानने का यत्न करते हैं। जब सफलता नहीं मिलती तो अपने को दोष न देकर हम दूसरेको दोष देते हैं और बार-बार कार्य बदलते हुए संताप में जीवन व्यतीत करते हैं, छोटे-बड़े सभी कामोंमें यह देखा जाता है। हम लोगों में से अधिकतर लोग जो काम करते हैं उसमें पूरे तौर से योग्यता औरनिपुणता प्राप्त करने का यत्न नहीं करते। इसी से हमारा काम पूरा नहीं होता और हमारे हाथ से सबकाम निकल जाने का यही कारण है कि दूसरे लोग उसी काम को ज्यादा अच्छी तरह करते हैं और हमस्वयं उनके काम को अपने काम से ज़्यादा पसंद करने लगते हैं। यदि हम लोग अपने-अपने काम के एक-एक अंग को अच्छी तरह से समझें और इसमें प्रवीण होने का सदा ख्याल रखें तो हम अपनी और अपने काम की बहुत कुछ वृद्धि और उन्नति कर सकते हैं। कार्य—कुशलता छोटे और बड़े का भेद

4ono.com

नहीं जानती। जो कार्य में कुशल होगा वह आरंभ में कितना ही छोटा क्यों न हो, अवश्य उन्नति करेगा और जो नहीं होगा, वह आरंभ में कितना भी बड़ा क्यों न हो अवश्य गिरेगा। इस कारण कार्य-कुशलता का प्रधान अंग परिश्रम है।

1 कार्य-कुशलता का पहला अंग कवि ने किसे माना है ? [1]

क ः समय से पहले निर्धारित कर,उसे अच्छी तरह से जान लें। ख ः यहाँ-वहाँ से पूछकर कार्य करें।

ग ः कार्य पहले उठा लें फिर जानें। घ ः सभी विकल्प सही हैं।

2 किसी कार्य में सफल न होने पर अधिकतर लोग क्या करते हैं ? [1]

क ः बार-बार कार्य बदलते हैं। ख ः अपने को दोष न देकर दूसरों को दोष देते हैं।

ग ः फिर से कार्य को जानने का यत्न नहीं करते। घ ः सभी विकल्प सही हैं ।

3 लेखक के अनुसार अधिकतर लोग श्रम में असफल क्यों हो जाते हैं ? [1]

क ः उन्हें काम करना नहीं आता। ख ः कठिन समझकर छोड़ देते हैं।

ग ः उस काम में योग्यता प्राप्त करने की कोशिश नहीं करते।

घ ः इधर-उधर की बातों में व्यर्थ समय गँवाते हैं।

4 लेखक ने कार्य—कुशलता का प्रधान अंग किसे माना है? [1]

क ः दृढ़ निश्चय ख ः आत्मविश्वास

ग ः लगातार अभ्यास घ ः परिश्रम

5 दोष व उन्नति शब्दों के विलोम शब्द हैं – [1]

क ः गुण, अवनति ख ः गुण, नियति

ग ः गुण, पतन घ ः क्षय, हार

प्रश्न 3 – निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए–

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला, उस-उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही हो जाता पथ पर मेल कहीं
सीमित पग-डग, लंबी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते सम्मुख चलता पथ पर प्रमाद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला, उस-उस राही को धन्यवाद।

साँसों पर अवलंबित काया, जब चलते-चलते चूर हुई
दो स्नेह शब्द मिल गए, मिली नवस्फूर्ति, थकावट दूर हुई।
पथ के पहचाने छूट गए, पर साथ-साथ चल रही याद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला, उस-उस राही को धन्यवाद।

4ono.com

उस पथ पर वे ही चलते हैं, जो चलने का पा गए स्वाद
जिस -जिससे पथ पर स्नेह मिला, उस-उस राही को धन्यवाद।

1 ः कवि किसे धन्यवाद देता है ? [1]

क ः राही को
ख ः जीवन पथ पर जिस-जिससे स्नेह मिला
ग ः जीवन में मिले सभी लोगों को
घ ः सभी विकल्प सही हैं।

2 ः मंजिल तय करना खेल क्यों नहीं ? [1]

क ः सीमित पग डग है।
ख ः समय का अभाव है।
ग ः जीवन बहुत छोटा है।
घ ः रास्ता कठिन है।

3 ः थकावट कब दूर हुई ? [1]

क ः जब आराम मिल गया।
ख ः जब स्फूर्ति आ गई।
ग ः जब स्नेह के दो बोल मिल गए।
घ ः चलते-चलते राही मिल गए।

4 ः उस-उस, चलते-चलते, साथ-साथ में कौन सा अलंकार है? [1]

क ः अनुप्रास
ख ः पुनरूक्तिप्रकाश
ग ः उत्प्रेक्षा
घ ः रूपक

5: सीमित शब्द के सर्वाधिक निकट विलोम शब्द कौन सा है? [1]

क: शाश्वत
ख: अनंत
ग: अंत
घ: विस्तार

प्रश्न 4 ः निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्पों के साथ लिखिए-

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।
ताते जल नहा कर पहन श्वेत वसन आई,
खुले लॉन बैठ गई दमकती लुनाई,
सूरज खरगोश धवल गोद उछल आया,
बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।
पैरों में मखमल की सी जूती सी क्यारी,
मेघ ऊन का गोला बुनती सुकुमारी,
डोलती सलाई हिलता जल लहराया,
बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।

1 ः किसने किसे बुलााया ? [1]

4ono.com

क ः धूप ने कवि को   ख ः कवि ने धूप को
ग ः सूरज ने धूप को   घ ः किसी ने किसी को नहीं

2 ः धूप कौन से वस्त्र पहन कर आई है ? [1]

क ः ताते   ख ः श्वेत
ग ः वसन   घ ः लाल

3 ः सूरज को क्या कहा गया है ? [1]

क ः ऊन के समान   ख ः मखमल के समान
ग ः खरगोश के समान   घ ः सभी विकल्प सही हैं

4 ः मेघ किसके रूप में है ? [1]

क ः ऊन के रूप में   ख ः किसी अन्य के रूप में
ग ः हिलते जल के समान   घ ः सुकुमारी के समान

5 ः जूती–सी क्यारी में कौन सा अलंकार है ? [1]

क ः अनुप्रास   ख ः रूपक
ग ः उपमा   घ ः उत्प्रेक्षा

खंड – ख

प्रश्न 5 ः निम्नलिखित वाक्यों में से रेखांकित शब्दों के पद–परिचय स्पष्टीकरण हेतु दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1 ः मेरा भाई **तीसरी** कक्षा में पढ़ता है। [1]

2 ः लोग **धीरे–धीरे** ताजमहल की ओर बढ़े। [1]

3 ः **हम** बनारस घूमने गए थे। [1]

4 ः बालक **दूध** पी रहा है। [1]

प्रश्न 6: निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :–

(१) नेताजी का भाषण समाप्त होते ही सब लोग चले गए। (मिश्र वाक्य मे बदलिए) 1

(२) मैंने उसे खाना खिलाया और वस्त्र दिए। (सरल वाक्य मे बदलिए) 1

(३) जो लोग परिश्रम करते हैं, उन्हें अधिक समय तक निराश नहीं होना पडता। (सरल वाक्य मे बदलिए) 1

(४) वह पुस्तकालय गया और वहाँ उसने महाभारत पढ़ी। (रचना के आधार पर वाक्य–भेद बताइए) 1

4ono.com

प्रश्न 7: निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :-

(क) बच्चा नहीं पढ़ता। (भाववाच्य में बदलिए) 1

(ख) राकेश पुरस्कार प्राप्त करता है। (कर्मवाच्य में बदलिए) 1

(ग) छात्रों से कक्षा में पढ़ा जाता है। (कर्तृवाच्य में बदलिए) 1

(घ) धोबी कपड़े धोता है। (कर्मवाच्य में बदलिए) 1

प्रश्न 8निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम बताइए:

1 काली घटा का घमंड घटा - 1

2 सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान - 1

३ कनक-कनक ते सौ गुनी, मादकता, अधिकाय। 1
या पाए बौराय जग, वा खाए बौराय ॥

४. पीपल पात सरिस मन डोला। 1

प्रश्न 9 ः निर्देशानुसार उत्तर दीजिए

1. मदन चौथी कक्षा में पढता है। **पद-परिचय दीजिए** **1**

2 ः मैंने एक भिखारी को देखा जो बहुत बूढ़ा था। इस वाक्य का प्रकार बताइए। [1]

3 ः जिस वाक्य में कर्ता के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है, उसे कहते हैं। [1]

4 ः निम्नलिखित में से उपमेय ढूँढकर लिखिए। [1]
चरण-कमल बंदौ हरिराई।

खंड - ग

प्रश्न 10 ः निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प के साथ लिखिए।

और सभ्यता ? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने-पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने-पहनने के तरीके, हमारे गमनागमन के साधन, हमारे परस्पर कट-मरने के तरीके, सब हमारी सभ्यता है। मानव की जो योग्यता आत्म-विश्वास के साधनों का अविष्कार कराती है। हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन कथनों के बल पर वह दिन रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिक्ति दूसरा क्या होगा?

1 ः सभ्यता क्या है ? [1]

क ः संस्कृति की पहचान ख ः संस्कृति की सहचरी

ग ः संस्कृति का दूसरा नाम घ ः संस्कृति का परिणाम

2 ः संस्कृति का संबंध किस भावना से है ? [1]

40NO.COM

क ः प्राणी मात्र का सुख ख ः समाज का उत्थान

ग ः लोक कल्याण घ ः उपर्युक्त सभी

3 ः जो योग्यता आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराए वह है [1]

क ः हिंसक संस्कृति ख ः असंस्कृति

ग ः दूषित संस्कृति घ ः नाशक संस्कृति

4 ः अवश्यंभावी का अर्थ है- [1]

क ः आवश्यक भाव ख ः आवश्यकता का भाव

ग ः अवश्य होने वाली घ ः अभाव वाली

5 ः संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाए तो क्या होगा? [1]

क ः सभ्यता विकसित होगी ख ः असभ्यता बढ़ेगी

ग ः समाज की प्रगति होगी घ ः भाईचारा बढ़ेगा

अथवा

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें।पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं...... केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहनों का सारा लगाव(शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन (निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा) उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका, न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता। खैर! जो भी हो, अव यह पैतृक-पुराण यहीं समाप्त कर अपने पर लौटती हूँ।

1. लेखिका ने अपनी माँ के धैर्य और सहनशक्ति की तुलना किससे की है ? [1]

क) धरती से ख) आकाश से ग) मातृभूमि से घ) पत्थर से

2. माँ का त्याग लेखिका का आदर्श नहीं बन सका क्योंकि- [1]

क) वह स्वेच्छा से नहीं किया गया था।

ख) वह पिता की ज़्यादतियों का परिणाम था।

ग) वह उसकी कर्तव्यनिष्ठा में लिपटा था ।

घ) वह निहायत असहाय मज़बूरी में लिपटा था।

4ono.com

3. लेखिका और उसके भाई-बहनों का सारा लगाव माँ के प्रति क्यों था? [1]

क) ममता के कारण ख) वात्सल्य के कारण

ग) सहानुभूति के कारण घ) सहिष्णुता के कारण

4. लेखिका ने अपनी माँ के जीवन की क्या विशेषता बताई है? [1]

क) उन्होंने जीवन में दिया ही दिया।

ख) जीवन भर ज़िद ही की।

ग) उन्होंने ज़िंदगी भर कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं...... केवल दिया ही दिया।

घ) ज़िंदगी भर पढ़ाई की।

5. बच्चों की उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज समझकर किसने पूरा किया? [1]

क) लेखिका ने ख) लेखिका के पिता ने ग) लेखिका की बहन ने घ) लेखिका की माँ ने

प्रश्न 11 ः निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए –

1 ः **नौबतखाने में इबादत** पाठ के आधार पर शहनाई के इतिहास के बारे में बताइए। [2]

2 ः स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं– कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है ? [2]

3 ः बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ? [2]

4 ः वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है ? [2]

5 ः **एक कहानी यह भी** पाठ के आधार पर स्वाधीनता आंदोलन में मन्नू भंडारी की भूमिका स्पष्ट कीजिए। [2]

प्रश्न 12 ः निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प के साथ लिखिए।

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहा कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरू गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।

4ono.com
myCBSEguide.com A Complete guide for CBSE students

बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहु पा परिअ तुम्हारे।।

कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

1 ः परशुराम बार-बार अपना कुल्हाड़ा किसे दिखा रहे हैं ? [1]

2 ः लक्ष्मण ने अभिमानपूर्वक बातें किसे देखकर कही हैं? [1]

3 ः रघुकुल के लोग किन-किन पर दया करते थे ? [1]

4 ः कवि और पाठ का नाम लिखिए। [1]

5 ः काव्य की भाषा कौन-सी है ? [1]

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

1. कवि और कविता का नाम लिखिए। [1]
2. कवि ने स्त्री जीवन के बंधन किन्हें माना है? [2]
3. माँ ने आग के विषय में लड़की से क्या कहा? [2]

प्रश्न 13 ः निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

1. माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी? [2]
2. **छाया मत छूना** कविता क्या संदेश देती है? [2]
3. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं ? [2]
4. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं? [2]
5. 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है' इस कथन पर अपने विचार लिखिए। [2]

4ono.com

प्रश्न 14 ः'कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं।' इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है ? [4]

प्रश्न 15 ः निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है? [2]
2. प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है? [2]
3. दुलारी टुन्नू की मृत्यु पर क्यों विचलित हो उठी? [2]
4. एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरूपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका है?[2]

खंड – घ

प्रश्न–16 : गत कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ने लगे हैं। उनकी रोकथाम के लिए अपने क्षेत्र के थानाध्यक्ष को एक पत्र लिखिए। [5]

अथवा

आप छात्रावास में रहते हैं।आपके विद्यालय में होने वाले वार्षिकोत्सव में आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आप चाहते हैं कि आपकी माता जी भी इसे देखें।अपनी माता जी को बुलाने के लिए पत्र लिखिए।

प्रश्न 17 ः किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। [5]

क. **विद्यालय का वार्षिकोत्सव**

प्रस्तावना, वार्षिकोत्सव का समय, प्रस्तुत कार्यक्रमों की समीक्षा, मुख्य अतिथि का कथन, आपकी भागीदारी तथा समापन।

ख. **आतंकवाद – अंतर्राष्ट्रीय समस्या**

भूमिका, आतंकवाद का अर्थ, कारण, भारत में आतंकवाद, दुष्परिणाम, अंतर्राष्ट्रीय समस्या, समाधान।

ग. **इंटरनेट– सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांति**

प्रस्तावना, आरंभ, इंटरनेट के मुख्य अंग, लाभ, उपयोग, हानि, उपसंहार।

....

For more sample papers visit :

www.4ono.com